SPM IAS ACADEMY
SHAPING BRILLIANCE

CS (MAIN) EXAM:2018

EGT-D-PHLY

दर्शनशास्त्र / PHILOSOPHY

प्रश्न-पत्र II / Paper II

निर्धारित समय : तीन घंटे *Time Allowed : **Three Hours***	अधिकतम अंक : 250 *Maximum Marks : **250***

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हुए हैं ।

*परीक्षार्थी को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।*

*प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each section.*

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

SPM IAS ACADEMY
SHAPING BRILLIANCE

खण्ड A

SECTION A

Q1. **निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :**

Answer the following questions in about 150 words each : *10×5=50*

(a) उदारवादी लोकतंत्र से क्या अभिप्राय है ? क्या सामाजिक संसक्ति का वैयक्तिक अधिकारों की अपनी प्रबल अभिपुष्टि के साथ संतुलन बैठाने के लिए, इसको अपेक्षाकृत अधिक गहन सिद्धांतों की आवश्यकता है ? भारतीय सन्दर्भ से कारण प्रस्तुत कीजिए ।

What is meant by liberal democracy ? Does it require deeper principles for social cohesion to balance its own strong affirmation of individual rights ? Give reasons from the Indian context. *10*

(b) क्या आप इस मत का समर्थन करते हैं कि भारतीय सांस्कृतिक पहचान के लिए, बहुसंस्कृतिवाद के सिद्धांतों तथा प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा के प्रति आदरभाव का समाकलन करने की आवश्यकता है ? अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए ।

Do you subscribe to the view that Indian cultural identity needs to integrate the principles of multi-culturalism and respect for the dignity of each person ? Justify your answer. *10*

SPM IAS ACADEMY SHAPING BRILLIANCE

(c) यह कहा जाता है कि भारत के सामाजिक व्यवहार पर जाति-आधारित समूहों की पारंपरिक पकड़, विकल्पी पहचानों का निर्माण करने के सभी प्रयासों के बावजूद, बनी रही है । मोहनदास करमचंद गाँधी के आलोक में चर्चा कीजिए ।

It is said that the traditional hold of caste-based groups on Indian social behaviour has survived all attempts to build alternate identities. Discuss in the light of M.K. Gandhi. *10*

(d) 'दण्ड-नीति' के आलोक में, कौटिल्य की संप्रभुता की संकल्पना पर चर्चा कीजिए ।

Discuss Kautilya's concept of sovereignty in the light of 'Danda-neeti'. *10*

(e) भारत के लोकतंत्र में भ्रष्टाचार के उन्मूलन के लिए आप क्या उपाय सुझाते हैं ?

What measures do you suggest to eradicate corruption in Indian democracy ? *10*

SPM IAS ACADEMY
SHAPING BRILLIANCE

Q2. (a) स्वतंत्रता और समता को किस सीमा तक लोकतंत्र के विशिष्ट अभिलक्षणों के रूप में माना जा सकता है ? विवेचना कीजिए ।

How far can liberty and equality be considered as distinctive features of democracy ? Discuss. *20*

(b) संप्रभुता पर लास्की के विचार का, राजनीतिक थियोरी में एक संतोषजनक स्थिति के रूप में, समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए ।

Critically evaluate Laski's view on sovereignty as a satisfactory position in political theory. *15*

(c) क्या आप अराजकतावादियों की राजनीतिक विचारधारा का समर्थन करते हैं ? अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए ।

Do you subscribe to the political ideology of Anarchists ? Justify your answer. *15*

Q3. (a) बहुसंस्कृतिवाद से आप क्या समझते हैं ? वैश्वीकरण और बहुसंस्कृतिवाद किस प्रकार एक-दूसरे से संबंधित हैं ? उनका संबंध किस प्रकार सांस्कृतिक परिवर्तनों को प्रभावित करता है ?

What do you understand by multi-culturalism ? How are globalization and multi-culturalism related ? How does their relationship affect cultural changes ? *20*

(b) क्या मार्क्सवादी समाजवाद और वैयक्तिक स्वतंत्रता सुसंगत हैं ? समालोचनात्मक विवेचना कीजिए ।

Are Marxian Socialism and individual freedom consistent ? Discuss critically. *15*

(c) वर्तमान काल के सन्दर्भ में, मानवतावाद के किस रूप को, आप प्रासंगिक मानते हैं ? विस्तार से विवेचना कीजिए ।

What form of humanism do you approve as relevant in the present day context ? Discuss in detail. *15*

SPM IAS ACADEMY
SHAPING BRILLIANCE

Q4. (a) "मानव अधिकार और मानव गरिमा अब भविष्य में किसी एक विशेष संस्कृति की उपज नहीं होंगे, बल्कि वे एक आदर्श विश्व के लिए सामूहिक मानवीय अभिलाषा की उपज होंगे ।" चर्चा कीजिए ।

"Human rights and human dignity would no longer be the product of a particular culture, rather a common human aspiration for an ideal world." Discuss. *20*

(b) स्त्री-भ्रूणहत्या के सन्दर्भ में, स्त्री-पुरुष भेदभाव का आप किस प्रकार मूल्यांकन करते हैं ?

How do you evaluate gender discrimination in the context of female foeticide ? *15*

(c) क्या नारी अधिकारवाद सशक्तिकरण के लिए या कि समता के लिए एक विचारधारा है ? विवेचना कीजिए ।

Is feminism an ideology for empowerment or for equality ? Discuss. *15*

SPM IAS ACADEMY
SHAPING BRILLIANCE

SPM IAS ACADEMY
SHAPING BRILLIANCE

खण्ड B

SECTION B

Q5. **निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :**

Answer the following questions in about 150 words each : *10×5=50*

(a) किस अर्थ में, भाषा का धर्मनिरपेक्ष उपयोग भाषा के धार्मिक उपयोग से भिन्न है ? चर्चा कीजिए ।

In what sense is the secular use of language different from the religious use of language ? Discuss. *10*

(b) यह तर्क प्रस्तुत करना कि पुनर्जन्म की संकल्पना पर ईश्वर-विरोधी धार्मिक विचार दार्शनिक रूप से महत्त्वपूर्ण है, किस सीमा तक युक्तिसंगत है ?

How far is it plausible to argue that the anti-theistic religions' stand on the concept of rebirth is philosophically significant ? *10*

(c) क्या आप ईश्वरविहीन धर्म को उचित सिद्ध कर सकते हैं ? अपने उत्तर के लिए समर्थन (आधार) प्रस्तुत कीजिए ।

Can you justify religion without God ? Support your answer. *10*

(d) क्या कोई यह दावे के साथ कह सकता है कि 'धार्मिकता' और 'अनैतिकता' के बीच अन्तःसंबंध है ? विवेचना कीजिए ।

Can one claim that there is an inter-relatedness between 'religiosity' and 'immorality' ? Discuss. *10*

(e) क्या हिन्दूधर्म बहुदेववादी है ? अपने उत्तर के लिए कारण दीजिए ।

Is Hinduism poly-theistic ? Give reasons for your answer. *10*

Q6. (a) विभिन्न धर्मों के परस्पर-विरोधी सत्यता दावों के संबंध में अनन्यता, समावेशिता और बहुतत्त्ववाद के बीच विभेदन कीजिए ।

Distinguish between Exclusivism, Inclusivism and Pluralism with regard to the conflicting truth-claims of different religions. *20*

(b) "सत्य एक है, फिर भी लोग इसको अलग-अलग रूपों में अनुभव करते हैं ।" आधुनिक भारतीय सन्दर्भ को ध्यान में रखते हुए इसका समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए ।

"Truth is one, yet people perceive differently." Critically evaluate by considering the present Indian context. *15*

(c) क्या ईश्वर की संकल्पना के लिए ईश्वर का अस्तित्व आवश्यक है ? सत्तामूलक (प्रत्यय-सत्ता) युक्ति के संदर्श से परीक्षण कीजिए ।

Does the concept of God entail the existence of God ? Examine from the perspective of ontological argument. *15*

SPM IAS ACADEMY
SHAPING BRILLIANCE

Q7. (a) 'पवित्र' और 'पावन' शब्द धर्म के उद्देश्य के लिए जातिवाचक नाम के तौर पर इस्तेमाल किए जाने लगे हैं । क्या आप सहमत हैं कि धर्म के उद्देश्य (विषय-वस्तु) के रूप में, ईश्वर को स्वीकारा जा सकता है ? विवेचना कीजिए ।

The terms 'Sacred' and 'Holy' have come to serve as generic names for the object of religion. Do you agree that one can have God as the object of religion ? Discuss. *20*

(b) धार्मिक भाषा की ब्रेथवेट की असंज्ञानात्मक थियोरी का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए ।

Critically examine Braithwaite's non-cognitive theory of religious language. *15*

(c) मोक्ष प्राप्ति के पथ के रूप में, भक्ति की संकल्पना का मूल्यांकन कीजिए ।

Evaluate the concept of Bhakti (Devotion) as a pathway to attain liberation. *15*

Q8. (a) सन्त थॉमस एक्विनास के ईश्वरीय ज्ञान के पाँच मार्गों की भारतीय दर्शन के न्याय संप्रदाय के ईश्वर के अस्तित्व के तर्कों के साथ तुलना कीजिए ।

Compare St. Thomas Aquinas' five ways of knowing God with the arguments of the Nyāya School of Indian Philosophy for the existence of God. *20*

SPM IAS ACADEMY
SHAPING BRILLIANCE

(b) जगत के सृष्टिकर्ता के रूप में, ईश्वर के अस्तित्व के विरुद्ध, बौद्धमत के तर्कों का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए ।

Critically evaluate the Buddhistic arguments against the existence of God as the creator of the world. *15*

(c) धार्मिक प्रतीकों के वैशिष्ट्य के विश्वातीत सन्दर्भ के रूप में महत्त्व को स्पष्ट कीजिए, जो सांस्कृतिक, आकाशीय व पार्थिव जगत में मध्यस्थता स्थापित करते हैं ।

Explain the significance of religious symbols as transcendent referent that mediates into the cultural, spatial and temporal world. *15*